देश का विश्वसनीय अखबार
दैनिक भास्कर

आरजीसीआईआरसी ने कैंसर उपचार में इम्यूनोथैरेपी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में प्रगति को रेखांकित किया

भास्कर समाचार सेवा

नई दिल्ली/ फरीदाबाद । आरजीसीआईआरसी राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर, जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार और अनुसंधान संस्थानों में से एक है, ने फरीदाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन सीएमई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया और कैंसर उपचार के परिवर्तनकारी क्षेत्रों पर ज्ञान का आदान-प्रदान किया। सीएमई में डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने अपने विचार साझा किए। डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा ने सर्जिकल

ऑन्कोलॉजी के सिद्धांत विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कैंसर शल्य-चिकित्सा के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डाला, स्पष्ट मार्जिन प्राप्त करना, अंगों की कार्यक्षमता बनाए रखना और रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

आरजीसीआईआरसी ने फरीदाबाद में ऑन्कोलॉजी सीएमई कार्यक्रम किया आयोजित

सवेरा न्यूज/कास.

फरीदाबाद, 12 अक्तूबर : राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी), जो देश के अग्रणी कैंसर उपचार एवं अनुसंधान संस्थानों में से एक है, ने फरीदाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लेकर कैंसर उपचार में हो रहे नवीनतम बदलावों पर विचार-विमर्श किया।

कार्यक्रम में आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी कंसल्टेंट डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा ने सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सिद्धांत विषय पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि कैंसर शल्य-चिकित्सा का उद्देश्य स्पष्ट मार्जिन प्राप्त करना, अंगों की कार्यक्षमता बनाए रखना और रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। डॉ. कुशवाहा ने कहा कि मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जरी जैसी तकनीकें कैंसर उपचार को नया आयाम दे रही हैं और भारतीय मरीजों को विश्वस्तरीय सर्जिकल उत्कृष्टता प्रदान कर रही हैं।

सीएमई में चिकित्सा पेशेवरों ने इंटरएक्टिव चर्चाओं के माध्यम से उन्नत चिकित्सीय और शल्य-चिकित्सीय तरीकों की गहन समझ प्राप्त की। आरजीसी आईआरसी के प्रतिनिधि ने कहा कि संस्थान का लक्ष्य सतत चिकित्सा शिक्षा के माध्यम से देशभर के डॉक्टरों को सशक्त बनाना है, ताकि वे वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं को भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में प्रभावी रूप से लागू कर सकें।

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

सर्जिकल नवाचारों पर आरजीसीआईआरसी का जोर

फरीदाबाद। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने फरीदाबाद में ऑन्कोलॉजी सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया।

इसमें विशेषज्ञों ने कैंसर उपचार में इम्यूनोथैरेपी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी की नवीनतम प्रगतियों पर चर्चा की। डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, नीति बाग शाखा ने ₹सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सिद्धांत₹ विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जरी की भूमिका को रेखांकित किया, जिससे कम दर्द, जल्दी रिकवरी और बेहतर परिणाम संभव होते हैं। कार्यक्रम में मल्टीडिसिप्लिनरी ट्यूमर बोर्ड की उपयोगिता पर भी चर्चा हुई, जो कैंसर रोगियों के लिए बेहतर रणनीति तैयार करने में सहायक हैं। प्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे सीएमई कार्यक्रम डॉक्टरों को वैश्विक मानकों से जोड़ने और बेहतर रोगी देखभाल सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

फोटो नंबर-05ः गुरुग्राम के खंड सोहना की ग्राम रामगढ़ ढाणी में सीवरेज लाइन की सफाई के कार्य का शुभारंभ करते विधायक तेजपाल तंवर।

TOP STORY

RGCIRC highlights advances in Immunotherapy and Surgical Oncology at CME in Faridabad

New Delhi / Faridabad

RGCIRC (Rajiv Gandhi Cancer Institute & Research Centre), India's premier cancer care and research institutes, organised a Continuing Medical Education (CME) programme on Saturday, in Faridabad. The event brought together healthcare professionals for an insightful exchange of knowledge on some of the most transformative areas in cancer care.

The CME featured an expert session from Dr. Naveen Kumar Kushwaha, Consultant, Surgical Oncology, RGCIRC, Niti Bagh.

Dr. Naveen Kumar Khushwaha shared insights on the "Principles of Surgical Oncology," underlining the core principles that guide surgical interventions in cancer management, achieving clear margins, maintaining organ function, and ensuring patient safety. Dr. Kushwaha also spoke about advances such as minimally invasive and robotic-assisted surgeries and stressed on the importance of multidisciplinary tumour boards in improving outcomes and long-term survival.

"Advances such as minimally invasive and robotic surgeries are transforming outcomes. By embracing these technologies, we ensure that Indian patients have access to the same standards of surgical excellence as anywhere in the world," Dr. Kushwaha concluded.

वीर अर्जुन

कैंसर उपचार में इम्यूनोथैरेपी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में प्रगति को रेखांकित किया

फरीदाबाद, (वीअ)। आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर), जो भारत के अग्रणी कैंसर उपचार और अनुसंधान संस्थानों में से एक है, ने फरीदाबाद में एक ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया और कैंसर उपचार के परिवर्तनकारी क्षेत्रों पर ज्ञान का आदान-प्रदान किया। सीएमई में डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आरजीसीआईआरसी, नीति बाग ने अपने विचार साझा किए।

डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा ने सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सिद्धांत विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कैंसर शल्य-चिकित्सा के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश स्पष्ट मार्जिन प्राप्त करना, अंगों की कार्यक्षमता बनाए रखना और रोगी की सुरक्षा सुनिश्चित करना। डॉ. कुशवाहा ने न्यूनतम आक्रामक और रोबोटिक-सहायता प्राप्त शल्य-चिकित्सा जैसी प्रगतियों पर भी चर्चा की और बताया कि बहुविषयक ट्यूमर बोर्ड कैंसर रोगियों के परिणाम और दीर्घकालिक जीवन दर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जरी जैसी प्रगतियां परिणामों को बदल रही हैं। इन तकनीकों को अपनाकर हम सुनिश्चित करते हैं कि भारतीय मरीजों को भी वही सर्जिकल उत्कृष्टता उपलब्ध हो, जो दुनिया के किसी भी हिस्से में दी जाती है। सीएमई में चिकित्सा पेशेवरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और वक्ताओं के साथ संवादात्मक चर्चाओं में शामिल हुए। इससे उन्हें उन्नत चिकित्सीय और शल्य-चिकित्सीय तरीकों को वास्तविक नैदानिक अभ्यास में अपनाने पर महत्वपूर्ण स्पष्टता मिली। इस अवसर पर आरजीसीआईआरसी, नीति बाग के प्रतिनिधि ने दोहराया कि संस्था का संकल्प सतत चिकित्सा शिक्षा के माध्यम से देशभर के डॉक्टरों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि कैंसर उपचार तेजी से विकसित हो रहा है, और ऐसे कार्यक्रम सुनिश्चित करते हैं कि कार्यरत चिकित्सक वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं को भारतीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में प्रभावी ढंग से शामिल कर सकें।

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

सर्जिकल ऑन्कोलॉजी में प्रगति सेमीनार का आयोजन

फरीदाबाद। राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) कैंसर उपचार और अनुसंधान संस्थानों में से एक ने फरीदाबाद में एक

ऑन्कोलॉजी कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन पर सेमिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य पेशेवरों ने भाग लिया और कैंसर उपचार के परिवर्तनकारी क्षेत्रों पर ज्ञान का आदान-प्रदान किया। सीएमई में डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा, कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, ने अपने विचार साझा किए।

CAREER & EDUCATION
अमर उजाला उड़ान
15 अक्तूबर 2025 | वर्ष 12 | अंक 41 | बुधवार | ₹5

कैंसर उपचार में नई दिशा

आरजीसीआईआरसी (राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर) ने फरीदाबाद में ऑन्कोलॉजी सीएमई (कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन) कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें स्वास्थ्य पेशेवरों ने कैंसर उपचार के परिवर्तनकारी क्षेत्रों पर ज्ञान साझा किया। कंसल्टेंट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी डॉ. नवीन कुमार कुशवाहा ने 'सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के सिद्धांत' पर चर्चा की, जिसमें सुरक्षित मार्जिन, अंग संरक्षण और रोगी सुरक्षा पर जोर दिया गया।